गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 6 अंक : 8 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 मार्च 2015 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

श्री 1008 जिनबिम्ब स्थापना एवं वेदी प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

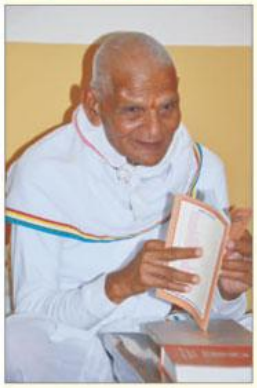

अनिल जैन, इन्दौर । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, 64 न्यू देवास रोड़ स्थित मंदिरजी के जीर्णोद्धार का काम 2014 के अंत तक पूर्ण गया था। सबको इंतजार था तो नवीन वेदी में श्रीजी को विराजमान करने का । जुलाई 2014 में हम सभी ने संकल्प लिया था कि तीनों प्रतिमाजी को एक वर्ष के अंदर पुन: विराजमान कर देंगे, समाज कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण आदरणीय ब्र. अनिल भैयाजी और ब्र. अभय भैयाजी 'आदित्य' से मिले और निवेदन किया कि आप दोनों के सानिध्य व पं. रतनलालजी शास्त्री के मार्गदर्शन में वेदी प्रतिष्ठा का कार्य संपन्न हो । दोनो भैयाजी ने अपनी व्यस्तता के बावजूद हमारा निवेदन स्वीकार किया और 21 फरवरी से 23 फरवरी तक याग मंडल विधान, वेदी संस्कार विधि एवं जिनबिम्ब स्थापना का कार्य करने हेतु अपनी सहमति प्रदान की ।

हम सभी ने मिलकर दोनों भैयाजी को प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण दिया और उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया और तत्पश्चात दोनो भैयाजी को मंदिरजी और नवीन वेदी का अवलोकन कराया । ऊपर की वेदीजी के सामने अब काफी स्थान निकल आया है। जनवरी के अंत तक तैयारी पूर्ण हो गई। सबसे पहले विधानाचार्य ब्र. अभय भैयाजी ने हमने आवश्यक विधान में लगने वाली आवश्यक सामग्री तथा वेदी प्रतिष्ठा में लगने वाले कलश, चंवर छत्र आदि आवश्यक चीजों की जानकारी ले ली । तत्पश्चात निमंत्रण पत्रिका की तैयारी प्रारंभ की गयी । भैयाजी ने पत्रिका स्वरुप बताया और आदरणीय पं. रतनलालजी शास्त्री के पास श्रीफल लेकर हम सभी उनके पास गये और चरण वंदना करके वेदी प्रतिष्ठा की चर्चा की और पंडितजी ने विधान वाले दिन आना स्वीकार किया। पंडितजी को मंदिरजी में लाने का काम हमारे वरिष्ठ श्री फूलचंदजी फणीश को सौंपा जिसे उन्होंने बखूबी निभाया ।

पत्रिका के स्वरुप को देखने के बाद पात्रों का चयन बड़ा कठिन काम लग रहा था । समाज के सभी सदस्यों को पूर्व में ही कार्यक्रम की जानकारी पत्र द्वारा भेजी गई। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी और सचिव बाहुबलीजी व कार्यकारिणी सदस्यों के साथ निकल पड़े क्योंकि यही काम सबसे दुष्कर लग रहा था पर हमें आश्चर्य हुआ कि चयनित पात्रों ने प्रथम चर्चा में ही सहर्ष अपनी स्वीकृति प्रदान की और सहयोग देने का आश्वासन दिया, जिससे यह दुष्कर कार्य काफी सरलता से पूर्ण हो गया । वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सौधर्म इन्द्र बनाने का सौभाग्य प्राप्त किया । गुरुकृपा नगर निवासी श्री प्रेमचंद-मंजुला जैन, महायज्ञ नायक श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन, कुबेर इन्द्र श्री अशोककुमार-सुधा जैन, ईशान इन्द्र श्री जयकुमार-मैना जैन, सनतकुमार इन्द्र श्री फूलचंद-निर्मला जैन, माहेन्द्र इन्द्र श्री सुरेशकुमार-सुधा जैन, ब्रह्म इन्द्र श्री अशोककुमार-रेखा जैन, लान्तव इन्द्र श्री हरिशचंद विमला जैन, शुक्र इन्द्र श्री सुरेशचंद-कांति जैन, शतार इन्द्र श्री अशोककुमार-शोभा जैन, आनत इन्द्र श्री हीरालाल-किरण फणीश, प्राणत इन्द्र श्री बाहुबली-निशा जैन, आरण इन्द्र श्री कमलचंद-संध्या जैन, अच्युत इन्द्र श्री अनिलकुमार-सुलोचना जैन, प्रतिमाजी स्थापना पुण्यार्जक श्री राजेन्द्र 'बागो'-कल्पना जैन, श्री राजेशकुमार-सुनीता जैन, श्री संजय-अंजू जैन, दीप प्रज्जवलनकर्ता श्री राहुल-सपना जैन, वेदी उद्घाटनकर्ता श्री खुशालचंद जैन, आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र अनावरणकर्ता श्रीमती पुष्पा-राजेन्द्रकुमार जैन, मंगल कलश स्थापना श्री विजय-ज्योतिमाला जैन, संपूर्ण द्रव्य व्यवस्था सहयोगी श्री निशांत जैन एवं दीपक जैन, ध्वजारोहणकर्ता न्यास के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी जैन क्लर्क कालोनी रहे । तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिन – इन्द्र प्रतिष्ठा सकलीकरण एवं जाप अनुष्ठान, द्वितीय दिन – समस्त प्रतिमाजी का महामस्तकाभिषेक पश्चात याग मंडल विधान आयोजित किया गया । विधान के समय महोत्सव संरक्षक व सामाजिक ससंद के अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारसिंहजी कासलीवाल द्वारा आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण किया । आपने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने समाज की एकजुटता एवं संगठित रहने पर जोर दिया । रात्रि में संगीतमय भक्तामरजी का पाठ गोलालारीय महिला मंडल 'स्तुति' द्वारा किया गया। तृतीय दिवस – नित्य नियम पूजन, हवन पश्चात नवीन वेदी के हॉल के मुख्य द्वार का पूजन डॉ. रुपेश मोदी परिवार द्वारा किया गया। वेदी का उद्घाटन स्थायी न्यासी श्री खुशालचंदजी जैन द्वारा किया गया तत्पश्चात हर्षोल्लासपूर्वक नवीन वेदी पर मूलनायक 1008 श्री चंद्रप्रभु भगवान को साइकिलवालों परिवार की ओर से श्री राजेशकुमार एवं जिनेन्द्रकुमार जैन, 1008 श्री पार्श्वनाथ स्वामी को श्री राजेन्द्र जैन 'बागो', श्री अजित जैन व श्री संजयकुमार जैन द्वारा प्रतिमा को विराजमान किया गया। समारोह के समापन पश्चात उपस्थित सदस्यों को वात्सल्य भोज कराया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ । न्यास सदस्य एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित, श्री पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्यादित, गोलालारीय दर्शन पत्रिका, गोलालारीय दि. जैन महिला मंडल, गोलालारीय नवयुवक मंच आदि संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ । न्यास कार्यकारिणी सभी सदस्यों और संस्थाओं का आभार मानती है।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

*** संरक्षक ***

हरीशचंद जैन, क्लर्क कालोनी , इन्दौर
अजीतकुमार जैन, स्कीम नं. 74, इन्दौर
राजेन्द्रकुमार जैन 'स्टेनो', ललितपुर

*** विशेष सहयोगी ***

जिनेन्द्रकमार जैन, तिलक नगर, इन्दौर
प्रदीपकुमार जैन, काला पीपल
सिद्धेशकुमार जैन, दुर्ग
उत्तमचंद जैन, महावीरपुरा, ललितपुर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड य कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन द्वारा श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय इन्दौर पर भेजें।

जैन प्रतीक चिन्ह

वर्ष 1975 में 1008 भगवान महावीर स्वामीजी के 2500वें निर्वाण वर्ष अवसर पर समस्त जैन समुदायों ने जैन धर्म के प्रतीक चिन्ह का एक स्वरुप बनाकर उस पर सहमति प्रकट की थी। आज कल लगभग सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं, वैवाहिक कार्ड, क्षमावाणी कार्ड, भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस, दीपावली आमंत्रण पत्र एवं अन्य कार्यक्रमों की पत्रिकाओं में इस प्रतीक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। यह प्रतीक चिन्ह हमारी अपनी परम्पराओं में श्रद्धा एवं विश्वास का द्योतक है।

मूल भावनाऐं – जैन प्रतीक चिन्ह कई मूल भावनाओं को अपने में समाहित करता है। इस प्रतीक चिन्ह का रुप जैन शास्त्रों में वर्णित तीन लोक के आकार जैसा है। इसका निचला भाग अधोलोक, बीच का भाग मध्यलोक है ऊपर का भाग उर्ध्वलोक का प्रतीक है। इसके सबसे ऊपर भाग में चंद्राकार सिद्ध शिला है। अनन्तान्त सिद्ध परमेष्ठी भगवान इस सिद्ध शिला पर अनंत काल से अनंत काल तक के लिए विराजमान हैं । चिन्ह के निचले भाग में प्रदर्शित हाथ अभय का प्रतीक है और लोक के सभी जीवों के प्रति अहिंसा का भाव रखने का प्रतीक है । हाथ के बीच में 24 आरों वाला चक्र चौबीस तीर्थंकरों द्वारा प्रणीत जिन धर्म को दर्शाता है, जिसका मूल भाव अहिंसा है, और ऊपरी भाग में प्रदर्शित स्वस्तिक की चार भुजाऐं चार गतियों – नरक, तिर्यंच, मनुष्य एवं देव गति की द्योतक हैं। प्रत्येक संसारी प्राणी जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त होना चाहता है। स्वस्तिक के ऊपर प्रदर्शित तीन बिन्दु सम्यक रत्नत्रय-सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र को दर्शाते हैं और संदेश देते हैं कि सम्यक रत्नत्रय मुक्ति प्राप्ति के लिए परम आवश्यक है। सबसे नीचे लिखे गये सूत्र 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' का अर्थ प्रत्येक जीव परस्पर (एक दूसरे)का उपकार करें, यही जीवन का लक्षण है। संक्षेप में जैन प्रतीक चिन्ह संसारी प्राणी मात्र की वर्तमान दशा एवं इससे मुक्त होकर सिद्धि शिला तक पहुंचने का मार्ग दर्शाता है।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

उपयोग निर्देश – जैन प्रतीक चिन्ह किसी भी विचारधारा, दर्शन या दल के ध्वज के समान है, जिसको देखने मात्र से पता लग जाता है कि यह किससे संबंधित है, परन्तु इसके लिए किसी भी प्रतीक चिन्ह का विशिष्ट (यूनिक) होना एवं सभी स्थानों पर समानुपाती होना बहुत ही आवश्यक है। यह भी आवश्यक है कि प्रतीक ध्वज का प्रारुप बनाते समय जो मूल भावनाऐं इसमें समाहित की गई थीं, उन सभी मूल भावनाओं को यह चिन्ह अच्छी तरह से प्रकट करता हो। **साभार**– सचिन जैन, बड़ौत

श्रुत सम्वर्धन पुरस्कार विश्व परिवार के संपादक श्री कैलाशचन्द्र जैन को

आचार्य ज्ञान सागर महाराज की प्रेरणा से शुरु हुए श्रुत संवर्धन संस्थान मेरठ द्वारा संचालित आचार्य विमलसागरजी स्मृति श्रुत संवर्धन पुरस्कार 2015, दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक, समाजसेवी श्री कैलाशचंद जैन को दिए जाने की घोषणा की गयी है। संस्थान के संयोजक डॉ. अनुपम जैन ने पुरस्कार की घोषणा करते हुए बताया कि श्री कैलाशचन्द्र जैन की समाजसेवा एवं रचनात्मक पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यापक योगदान को दृष्टिगत रखते हुए निर्णायक मंडल द्वारा यह निर्णय लिया गया है। इस पुरस्कार में उन्हें 51 हजार रुपया नगद, शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जायेगा। पुरस्कार समारोह दिल्ली में संपन्न होगा। आप गोलालारीय दर्शन पत्रिका के मार्गदर्शक व परामर्श प्रमुख है । गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई ।

बधाईयाँ

श्रीमती आशा अशोक कुमार जैन (शांती सीड्स) भोपाल ने नगर पालिका निगम चुनाव में चौथी बार विजयी रही है। इस बार आप 1286 मतो से विजयी रही। आपको इस बार एमआईसी सदस्य के रुप में प्रशासनिक विभाग का दायित्व भी सौंपा गया है। श्रीमती आशाजी को गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ ।

महावीर जयंती पर्व को हर्षोल्लास पूर्वक मनाएँ

महावीर जयंती पर्व के कार्यक्रमों में आप सपरिवार पूर्ण मनोयोग से सम्मिलित होकर जैन धर्म की प्रभावना को बढ़ाने का पूरा प्रयास करें । भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को जन जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर एवं युवा वर्ग को जैन धर्म की महत्ता से परिचित करावे।

आपसे निवेदन है कि आपके नगर में होने वाले कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी 15 अप्रैल तक पत्रिका कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि प्रकाशन किया जा सके ।

* सादर अनुरोध *

इन्दौर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाजजन पारम्परिक वेशभूषा में कांच मंदिर से प्रारंभ होने वाली शोभायात्रा में 2.30 बजे श्री नवीन पंचरतन के घर पर एकत्रित होकर समाज बैनर तले जुलूस में शामिल होंगे। आपसे अनुरोध है कि समाज के बैनर तले पधारकर शोभायात्रा का हिस्सा बने ना कि जुलूस के बाहर खड़े होकर भीड़ का हिस्सा बने ।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
1 मार्च 2015 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

धनलक्ष्मी सोसायटी, अहमदाबाद में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सानंद संपन्न

श्रेयांश धमसैया, अहमदाबाद । नगर के धनलक्ष्मी सोसायटी, ओढ़व स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सकल दिगम्बर जैन समाज अहमदाबाद द्वारा आयोजित श्री शांतिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ दि. 20 जनवरी से 25 जनवरी तक गिरनार उपसर्ग विजेता मुनिश्री 108 प्रबलसागरजी महाराज व निर्देशन पं. श्री सुधीर मार्तण्ड (उदयपुर) के सान्निध्य में सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गर्भकल्याणक पूर्व विधि, उत्तरविधि की क्रियाओं को अनूठे तरीके से दिखाया गया। जन्म कल्याणक के दिन श्रीजी की पालकी, चार गजराज, पांच बग्गी, दो अश्व, दो बैण्ड व हजारों की संख्या में समाज श्रेष्ठी, विधायक, पार्षद व गणमान्य महानुभाव, ब्र. सुनीलजी व श्रावक भक्तगण की उपस्थिति में पाण्डुकशिला हरिगंगा सोसायटी में कलशाभिषेक किया गया। तप कल्याणक भी अद्भुत उत्साह के साथ मनाया । केवल ज्ञान कल्याणक पर सभी श्रावक ज्ञानरुपी गंगा से लाभांवित हुए। मोक्ष कल्याणक का अद्वितीय-अद्भुत दृश्य बड़ी खूबसूरती से पेश किया, उपस्थित समाजजनों को मोक्षकल्याणक का एहसास करवाया – सभी ने करतल ध्वनि से विशाल पांडाल को गुंजायमान किया। विशाल रथयात्रा, नगर फेरी कर शुभ मुहूर्त में जीर्णोद्धारित मंदिरजी में 1008 श्री आदिनाथजी, श्री भरतजी, श्री मुनिसुव्रतनाथजी की मनमोहक विशाल प्रतिमाओं को नूतन आकर्षक वेदी पर जयघोष के साथ विराजमान किया गया ।

पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान के माता-पिता पं. संतोषलाल-सवितादेवी, सौधर्म इन्द्र श्री जिनेन्द्रकुमार-जैनमती बेन, धनकुबेर इन्द्र श्री संतोषकुमार-साधनाबेन, महायज्ञनायक श्री संतोषकुमार-किरणमाला, ईसान इन्द्र श्री विजयकुमार-अंगूरीबेन, सानत इन्द्र सिं. सोमचंद-किरणबेन, माहेन्द्र इन्द्र श्री शैलेश-नीलमबेन, ब्रह्मेन्द्र इन्द्र श्री राजकुमार-ममताबेन, लांतवेन्द्र इन्द्र श्री मनोजकुमार-ममताबेन, शुक्रेन्द्र इन्द्र श्री अजीतकुमार-सरोजबेन, सतारेन्द्र श्री ज्ञानचंद-गजराबेन, आनतेन्द्र इन्द्र श्री मुकेशकुमार-वसुबेन, प्राणतेन्द्र इन्द्र श्री संतोषकुमार-मनोरमाबेन, आरणेन्द्र इन्द्र श्री भरतकुमार-भावनाबेन, अच्युतेन्द्र इन्द्र श्री सुनीलकुमार-किरणबेन, पूजन द्रव्य प्रदाता श्री रुपेशकुमार-ज्योतिबेन, ध्वजारोहणकर्ता श्री किशनलाल-विमलाबेन (अजय टेनामेंट), मंगल कलश स्थापनाकर्ता श्री नरेन्द्रकुमार-इन्द्राबेन, मंच उद्घाटनकर्ता श्री आलोककुमार-ज्योति बेन, सुमित राजा प्रथम आहारदाता श्री मुकेशकुमार-अलकाबेन थे।

प्रतिदिन नित्य पूजा, अभिषेक, शांतिधारा, जाप, विधान रात्रि में महामंगल आरती शानू एण्ड पार्टी (महुआ) द्वारा हुई। बाहर से आये भक्तगण को ठहरने व भोजन की उत्तम व्यवस्था थी। कार्यक्रम के दौरान रत्नों की वर्षा के साथ कुदरती बारिश रत्नों की भी वर्षा हुई। सभी ने संपूर्ण पंचकल्याणक का भरपूर आनंद व क्रियाओं को समझा कि पाषाण से भगवान कैसे बनते है ? कार्यक्रम को पारस चैनल के माध्यम से संपूर्ण विश्व में प्रसारित भी करवाया गया।

इस पंचकल्याणक से सन् 1984 में संपन्न गोमतीपुर के प्राचीन मंदिर की पंचकल्याणक की यादें ताजी हो उठी । दोनो पंचकल्याणक अद्वितीय थे । इस पंचकल्याणक के अध्यक्ष श्री जिनेन्द्रकुमारजी 'दुमदुमा', उपाध्यक्ष श्री राजकुमारजी, महामंत्री श्री श्रेयांस धमसैयाजी, कोषाध्यक्ष श्री महेन्द्रकुमारजी, महिला मंडल, युवा मंडल व हर उम्र के महानुभावों ने अपना श्रम लगाकर कार्यक्रम को सफलता की चरम सीमा तक पहुंचाया । धनलक्ष्मी-हरिगंगा सोसायटी व आस पास के क्षेत्रों के श्रावकों ने तथा अजैनों ने भी अपना तन-मन-धन से सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया । समस्त कमेटी उपस्थित अनुपस्थित श्रावकों का व अन्य सभी का आभार व अभिनंदन व्यक्त करती है ।

1008 श्री सिद्धचक्र मंडल विधान का भव्य आयोजन

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन । सिद्धक्षेत्र श्री पावागिरी (पवाजी) पर दि. 21 मार्च से 29 मार्च तक अनंतानंत सिद्ध भगवंतों की आराधना करने के लिए श्रीमती किरण डॉ. सुभाष जखौरिया भोपाल एवं श्रीमती आशा संतोष जखौरिया विदिशावालों के द्वारा 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसका विधि विधान बाल ब्र. श्रद्धेयश्री अशोक भैयाजी, अनुमति त्याग प्रतिमाधारी उदासीन आश्रम, इन्दौर एवं सहयोग डॉ. महेन्द्र जैन बिस्किुट विदिशावालों द्वारा किया जायेगा। इसमें संगीतकार श्री अहमेन्द्र जैन गंजबासौदा रहेंगे।

विधान के दौरान दि. 22 से 29 मार्च को मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ एवं 23 मार्च को चौबीसी के मूलनायक श्री चन्द्रप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक संपन्न कराया जायेगा। इसके साथ ही 24 मार्च को भगवान अजितनाथ का एवं 25 मार्च को भगवान संभवनाथ के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष में निर्वाण लाडू चढ़ाया जावेगा। विधान में परम पूज्य मुनिश्री अभयसागर एवं मुनिश्री पूज्यसागरजी के सानिध्य प्राप्त होने की संभावना है। धर्म की गंगा में आव्हान हेतु सपरिवार पधारकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करें ।

बुन्देलखण्ड यात्रा हेतु उपयोगी सी.डी. व गाईड उपलब्ध

बुन्देलखण्ड एक ऐसा क्षेत्र है जहां के कण-कण में ऊर्जा समाई हुई है। यहां के तीर्थ जहां हमारी प्राचीन विरासत की अपूर्व धरोहर है वहीं इस भूमि को संभवत: सर्वाधिक दिगम्बर मुनि, आर्यिका, त्यागियों के साथ देश के सर्वाधिक विद्वान सुलभ कराने का गौरव भी प्राप्त है। इन सबका कारण निश्चित रुप से यहां की संस्कारवान माटी और वहां खड़े गगनचुम्बी जिनालय भी है। बुन्देलखण्ड के छोटे से छोटे ग्राम में भी भव्य जिनालय स्थित है वहीं अनेक अतिशय क्षेत्र स्थित है तो सिद्धक्षेत्रों की भी कमी नहीं है। फलहोड़ी, बडागॉव, आहारजी, द्रोणगिरी, सोनागिरजी, नैनागिरी (रेशंदीगिरी) के साथ विश्व पर्यटन केन्द्र खजुराहो, बड़े बाबा की पावन भूमि कुण्डलपुर (दमोह) पुरातत्व की अपूर्व धरोहर देवगढ़, पपौराजी, पटेरियाजी (गढ़कोटा) आदि ऐसे तीर्थ है, जो जैनत्व के प्रति हमें गौरव व हमारे आराध्यों व पूर्वजों के प्रति सहज श्रद्धा उत्पन्न कराने में सहायक होते है। विगत कुछ वर्षों पहले ये तीर्थ सुविधाओं के नाम पर पिछड़े माने जाते थे, लेकिन आज सभी तीर्थों पर अत्याधुनिक आवास, भोजन आदि सुविधाओं का समुचित प्रबंध है। उत्तरांचल दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा बुन्देलखण्ड की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए विशेष प्रयास किए गए है। अध्यक्ष शैलेश जैन ने 32 तीर्थों की एक गाईड पुस्तक 'बुन्देलखण्ड जैन तीर्थ दर्शन' प्रकाशित की है साथ ही दैनिक विश्व परिवार झांसी के प्रवीण जैन ने बुन्देलखण्ड तीर्थ वंदना की वीडियो सी.डी. बनाई है जो बुन्देलखण्ड के तीर्थों की यात्रा के प्रति सहज आकर्षण उत्पन्न करती है। इच्छुक समाजजन सी.डी. व पुस्तक निम्नांकित पते पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

शैलेन्द्र जैन अध्यक्ष, उत्तरांचल दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, 'आस्था' 195, आवास विकास सासनी गेट, अलीगढ़ (उ.प्र.) 202001, मो.: 09412272577, ईमेल udjtc@live.com Website : www.udjtc.org झांसी से संपूर्ण बुन्देलखण्ड यात्रा हेतु टेम्पो ट्रेवलर हेतु कमेटी के **कार्याध्यक्ष प्रवीण जैन झांसी** 09450071632 पर संपर्क किया जा सकता है।

समाज विकास में सहयोग दें – संपादक की कलम से...

''गोलालारीय दर्शन'' पत्रिका के प्रकाशन को 7 वर्ष पूर्ण हो रहे है गत छ: वर्षों में हमारी पूरी कोशिश रही है कि हर गोलालारीय परिवार के घर समाज का मुखपत्र अवश्य ही पहुंचे। यह पत्रिका साधारण डाक से भेजी जा रही है डाक व्यवस्था के कारण कुछ परिवारों तक पत्रिका नहीं पहुंच पाने का हमें खेद रहता है। कोरियर द्वारा भी पत्रिका भेजने की योजना प्रारंभ की गई है। विगत छ: वर्षों में पत्रिका के माध्यम से समाजजनों को एक मंच पर लाने का सुखद अहसास सदैव हमें और अधिक कार्य करने की प्रेरणा देता हैं। यही हमारी टीम की छोटी सी सफलता है जिसके हक़दार आप भी है। समाज प्रतिभाओं से आपका परिचय कराना, समाज सदस्यों द्वारा आयोजित सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों को आप तक पहुंचाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ इस पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी के लिए अनेक पत्रिकाएं व कई धार्मिक चैनल चल रहे है परन्तु सामाजिक समाचार व गतिविधियों की जानकारी आप तक पहुंचाने के उद्देश्य से ही ''गोलालारीय दर्शन'' पत्रिका का प्रकाशन कर 4300 परिवारों तक हम नियमित भेज रहे है। गत अंक विवाह योग्य प्रत्याशी विशेषांक को समाजजनों ने काफी सराहा इस वर्ष यह विशेषांक पुस्तक के रुप में प्रकाशित करना चाहते हैं जिसकी तैयारियां जून 2015 से प्रारंभ करेंगे। विशेषांक का प्रथम अंक सिद्धक्षेत्र पवाजी के वार्षिक मेले में प्रस्तुत करने की योजना है, जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है।

8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में मातृशक्ति को अपने परिवार के निर्माण के साथ साथ समाज निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रण लेना होगा तभी हम सशक्त समाज की कल्पना कर सकेगें। साधर्मी महिलाओं के साथ मिलकर आप क्षेत्रीय संगठन बनाये जिसमें सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों के साथ बच्चों व युवावर्ग के उत्थान हेतु कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें समाज से जोड़ने हेतु प्रेरित करे। इन कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी हमें प्रेषित करें जिसका प्रकाशन से अन्य महिलाएं भी प्रेरणा ले और अपने यहां संगठन बनाकर समाज विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

गत छ: वर्षों में समाजजनों से निरंतर आर्थिक सहयोग प्राप्त होता रहा है परन्तु इस वर्ष कई सदस्यों ने हमें आगे बढ़कर आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। हम सदैव उनके आभारी रहेंगे, हमारा आपसे सादर अनुरोध है कि इस पत्रिका के महत्व का आकलन कर विशेष सहयोगी 2100/-, संरक्षक 5100/-, परम संरक्षक 11000/-, शिरोमणि संरक्षक 21000/- का आर्थिक सहयोग प्रदान कर समाज के मुखपत्र गोलालारीय दर्शन के सुचारु प्रकाशन हेतु एक स्थाई फंड बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे ताकि पत्रिका बिना किसी व्यवधान के आपके हाथों तक आजीवन पहुंचती रहे। आप कई अवसरों पर आर्थिक सहयोग दे सकते है। परिवार में मांगलिक प्रसंगों पर हम लाखों रुपये खर्च कर देते है। शुभ विवाह के अवसर पर नवदम्पत्ति, वरिष्ठ सदस्यों की 25वीं व 50वीं वर्षगांठ, बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर उनके फोटो प्रकाशित करवाकर आप पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान कर सकते है।

शोक समाचारों का प्रकाशन निशुल्क किया जाता है। सदस्य की स्मृति में हम अपने नगर के मंदिर व संस्थाओं के साथ साथ छोटी सी राशि समाज पत्रिका ''गोलालारीय दर्शन'' को देने का प्रण करेंगे तो यह भी एक तरह से समाज को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने में आपका योगदान होगा। आज हमारे समाज का हर परिवार उन्नति कर रहा है उसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर तीन माह में एक बार प्रकाशित होने वाली पत्रिका भी वर्ष में कम से कम छ: बार प्रकाशित हो सके इसके लिए सम्मानजनक राशि सहयोग के रुप में अवश्य ही प्रदान करें।

– राजेन्द्र जैन 'बागो', इन्दौर

कन्या भ्रूण हत्या के लिए जिम्मेदार कौन ?

विशाल जैन पवा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में बेटी बचाओं – बेटी पढ़ाओं का नारा बुलंद करने के लिए सभी को इस अनूठी पहल को स्वीकार करते हुए बेटा और बेटी के भेदभाव को जड़ से उखाड़ फेंकना है। बेटी सृष्टि का मूल आधार है तथा भ्रूण हत्या सामाजिक कलंक एवं कानूनन जुर्म है।

झलकारीबाई, अहिल्याबाई, दुर्गावती हो या लक्ष्मीबाई, कल्पना चावला, साईना नेहवाल, सानिया मिर्जा, पी.टी. उषा हो या किरण बेदी सभी ने एक बेटी के रुप में ही देश का नाम रोशन किया है। देश का सबसे बड़ा पद, राष्ट्रपति हो या प्रधानमंत्री सभी को हमारे देश की बेटी ने गौरवांवित किया है। इसके बाद भी सीता और राधा की धरती कन्याओं से सूनी होती जा रही है, जो हम सभी के लिए चिंता का विषय है। बेटी के बगैर दुनिया अधूरी है, बेटी प्रतिभा और ममता की मूर्ति होती है। दुनिया का अस्तित्व बेटी पर टिका है, बेटी प्रकृति का मूल आधार है। भारतीय संस्कृति में बेटी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, बेटी ही समाज में परिवर्तन लाती है। बेटी भविष्य है बिना बेटी के समाज की कल्पना करना व्यर्थ है। बेटियां बोझ नहीं सहारा होती है। बेटी न रहेगी तो मां, बहन, बहू और पत्नी कहां से आयेगी। बाल विवाह, भ्रूण हत्या एवं दहेज प्रथा जैसी बुराईयों एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना हमारा दायित्व है। बेटा और बेटी में भेदभाव को दूर करना और समानता का अधिकार देना ही हमारा ध्येय होना चाहिए। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना ही हमारी प्रथम प्राथमिकता हो। बेटी के बिना घर आंगन सूना होता है, बेटी के अस्तित्व की रक्षा से ही सामजिक मूल्यों की रक्षा होगी।

प्राचीन वेद-पुराणों में पार्वती को शक्ति, धन को लक्ष्मी और विद्या को सरस्वती का रुप माना है, तीनों ही बेटी की पर्याय हैं। बेटी मकान को घर बनाती है, दो कुलों का मान बढ़ाती है। बेटियां कुदरत की धरोहर हैं, बेटी के आगमन पर ही भाग्य के दरवाजे खुलते हैं, औरत ही सृष्टि की जननी है। लेकिन आज की बेटी ही कन्या भ्रूण हत्या के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं क्योंकि जब बेटी मां-पिता की भावनाओं का ध्यान न रखते हुए परिवार एवं समाज के विरुद्ध जाकर प्रेम विवाह का कदम उठाती है, ऐसी घटनाओं के डर के कारण ही न जाने कितने माता पिता बेटी को जन्म नहीं देना चाहते है और वे बिना किसी सोच विचार के भ्रूण हत्या जैसा जघन्य कृत्य कर बैठते है।

अहिंसा सेवा संगठन के एक सर्वे में इस बात की पुष्टि हुई कि आज के माता पिता केवल इसीलिए बेटी को जन्म देना नहीं चाहते कि कहीं उसकी बेटी परिवार और समाज की मान्यताओं के विरुद्ध जाकर प्रेम विवाह जैसा कोई गलत कदम न उठा ले। अत: आज की युवा पीढ़ी को यह बात समझना होगी कि किसी के प्यार के लिए जन्म देने वाले माता पिता के प्रेम को भूलकर कभी खुश नहीं रह सकते। प्यार में भटके युवाओं को यह समझना होगा कि आप पर सब कुछ न्यौछावर कर देने वाले माता पिता ने आपके लिए क्या क्या किया है, और जीवन का सबसे बड़ा फैसला लेते समय माता पिता की प्रतिष्ठा और मान सम्मान को भूलकर उनका साथ छोड़ देना सुखद भविष्य के लिए अच्छा नहीं हो सकता है। अत: हम बेटी के संरक्षण के साथ साथ उन्हें संस्कारित भी करना होगा ताकि वे माता पिता की इच्छा विरुद्ध ऐसा कदम न उठाये जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो और उनके मन में बेटियों के लिए कोई गलत धारणा बने। अत: बेटी के संरक्षण के साथ समानता का अधिकार देने एवं समाज में उच्च संस्कारों के निर्माण की जागरुकता फैलाने की शपथ लेना चाहिए।

पत्र सम्पादक के नाम...

* विगत विवाह विशेषांक बहुत उपयोगी लगा। कुछ सुझाव प्रेषित कर रहा हूँ – विवाह योग्य प्रत्याशी के बायोडाटा में कुछ और जानकारियाँ भी जैसे प्रत्याशी की प्राथमिकताएँ (सर्विस क्लास / बिजनेस क्लास), पारिवारिक जानकारी वगैरह भी दी जाये तो अति उत्तम होगा। * प्रत्याशियों को अलग अलग समूहो में (उम्र, योग्यता, व्यवसाय आदि के आधार पर) छापा जाये तो अधिक सुविधाजनक रहेगा।

– प्रवीणकुमार जैन, विदिशा

* मैं गोलालारीय दर्शन के प्रथम अंक से ही इसका नियमित पाठिका रही हूँ। यह पत्र निरंतर प्रगति कर रहा है, इसके लिए बधाई। पत्र में पठनीय रोचक, ज्ञानवर्धक रचनाऐं, पाक विधि, मनोरंजक व शैक्षणिक मार्गदर्शन दें ताकि इससे पाठकों की संख्या और बढ़ सके। बच्चों और युवाओं से संबंधित सामग्री का प्रकाशन भी करें। कुछ स्थाई स्तंभ भी रखे जा सकते है, इससे पत्र और अधिक रुचिकर हो सकेगा। हो सके तो पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशित करे ताकि सामजिक जानकारियाँ निरंतर मिलती रहे।

– नीलम जैन, इन्दौर

कोरियर द्वारा पत्रिका भेजने की व्यवस्था

गोलालारीय दर्शन पत्रिका शासन के मापदण्डों के अनुसार साधारण डाक से आप तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करते है फिर भी कई परिवारों तक पत्रिका नहीं पहुंच पाती है, इस दुविधा को दूर करने के उद्देश्य से हमने मधुर कोरियर के माध्यम से पत्रिका भेजने का विचार करा है। आजीवन सदस्य ही इस सुविधा का लाभ ले पायेंगे। मधुर कोरियर के द्वारा मध्यप्रदेश में 150 रु. प्रतिवर्ष व मध्यप्रदेश के बाहर 200 रु. अग्रिम रुप से जमा करने पर ही यह सुविधा सुनिश्चित की जा सकेगी।

– संपादक मंडल 'गोलालारीय दर्शन'

संपर्क – श्री बाहुबली जैन 9425903301, 9424013136

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

ब्र. पीयूष (बिट्टू)

सुपौत्र : सुशीलादेवी–स्व. बाबूलालजी सायकिलवाले, ललितपुर
सुपुत्री : श्रीमती मीना–अनिलकुमार जैन, नागपुर (वीएसआर)

का शुभ विवाह

सौ. कां. स्वाती

सुपौत्री : कीर्तिशेष–श्री शीलचंद जैन (घंसौरा)
सुपुत्र : शाहश्री राजेन्द्रकुमारजी–श्रीमती शिमला जैन (घंसौरा)

के साथ दिनांक 30 नवम्बर 2014, नागपुर में संपन्न हुआ ।

हार्दिक बधाईयों के साथ...

सौ. सरोज-संतोषकुमार जैन * सौ. ऊषा-ई. अरुणकुमार जैन
सौ. समता-एड. अजय जैन * सौ. ममता-आनंद जैन एलआयसी
सौ. रिया-ई. अंबर जैन * श्रीमती शशिप्रभा-स्व. श्री लालचंद जैन * सौ. शोभा-सिंघई मदन जैन

श्रीमती सुशीलादेवी–स्व. श्री बाबूलालजी जैन
सौ. मीना–अनिल जैन (वीएसआर), नागपुर

श्री विद्यासागर रोडवेज, नागपुर

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. शशांक

सुपौत्र : श्रीमती सुशीलादेवी– बाबूलाल जैन
सुपुत्र : श्रीमती कल्पना–चक्रेशकुमार जैन, तुमसर

का शुभ विवाह

सौ.कां.मयूरी

सुपौत्री : स्व.श्री घासीरामजी जैन
सुपुत्री : मुकेश कुमार जैन, गंजबासौदा

के साथ दिनांक 23 फरवरी 2015 को तुमसर में संपन्न हुआ।

1. 24
2. रवीना रवीन्द्रकुमार जैन
3. सिंघई/धर्मसैया
4. 23.08.90
5. 14.47
6. झाँसी
7. एमबीए मार्केटिंग
8. 5'3''/53 कि.ग्रा.
9. गेहुँआ
10. नौकरी
11. 2.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. जैन मंदिर के पास, तिलक नगर बी.एच.ई.एल. झाँसी (यू.पी.)
15. 9451832713, 8953592142
16. vj3122@gmail.com

1. 25
2. पूनम महेन्द्र कुमार जैन
3. फणीश/दिवाकीर्ति
4. 09/05/1990
5. 17.45
6. ललितपुर
7. एम.कॉम, बी.एड.
8. 5' 1''
9. गोरा
10. अध्यापिका
11. –
12. ऐच्छिक
13. नहीं
14. 5/1, रावतपुरा दि. जैन बड़े मंदिर के पास, ललितपुर
15. 9506713713, 9452118548
16. -

1. 26
2. विवेक वीरेन्द्रकुमार जैन
3. पटवारी/पवैया
4. 02.12.89
5. 04.32
6. पवई पन्ना
7. एम.ए., पीजीडीसीए
8. 5'6''/56 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. इलेक्ट्रानिक एवं जनरल
11. 6 अंको में
12. हाँ
13. हाँ
14. पशु अस्पताल के पास, मेन रोड, हीरो एजेंसी के सामने, पवई, जिला पन्ना
15. 9981869989, 9770616112
16. vivek.jain616112@gmail.com

1. 27
2. राहुल अनिलकुमार जैन
3. रावत/बिलौआ
4. 18.02.87
5. 23.05
6. इन्दौर
7. एम.बी.ए.
8. 5'7''
9. गोरा
10. अंडरगारमेंट के निर्माता
11. –
12. हाँ
13. हाँ
14. 251/3, जनता कालोनी, बड़ा गणपति के पास, इन्दौर (म.प्र.)
15. 0731–2415528, 9893005429
16.

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. राहुल

सुपौत्र : स्व. श्री निर्मलकुमार जैन
सुपुत्र : श्रीमती सीमा–चौधरी शैलेन्द्रकुमार जैन

का शुभ विवाह

सौ. कां. सोनम

सुपौत्री : श्री भैयालालजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती कल्पना–मुन्नालालजी जैन, गेरतगंज

के साथ दिनांक 13.12.14 को विदिशा में संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठान - * अरिहंत ज्वेलर्स * प्रकाश रेडियोज * श्री आदिनाथ ज्वेलर्स * मोनिका ज्वेलर्स * सपना ज्वेलर्स * राजश्री ज्वेलर्स * परिणय ज्वेलर्स

आमंत्रण...

गोलालारीय समाज के कार्यरत या सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, सीए / सीएस, प्रोफेसर, वकील, धर्माचार्य, विख्यात कंपनियों के अधिकृत व्यापारीगण, बैंक व अन्य विभागों में कार्यरत देश–विदेश के अधिकारियों की जानकारी संपूर्ण विवरण के साथ **30 जून 2014** तक अवश्य भेजें।

आप स्वयं या अपने रिश्तेदार और परिचितों का निम्न जानकारियों के साथ – सदस्य का नाम, पत्र व्यवहार का पता, जीवन परिचय, संबंधित क्षेत्र में कार्य विवरण व वार्षिक आय के साथ पासपोर्ट साइज का तात्कालिक फोटो पत्रिका कार्यालय 64, न्यू देवास रोड, या राजेन्द्रकुमार जैन 16, महारानी रोड, इन्दौर पर भेजे। प्राप्त जानकारियों के आधार पर निकट भविष्य में पुस्तक प्रकाशन व सम्मान समारोह कार्यक्रम की रुपरेखा बनाई जा रही है।

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. अंशुल

सुपौत्र : स्व.श्रीमती कस्तूरीबाई-स्व.श्री सुमेरचंदजी जैन

सुपुत्र : श्रीमती शोभना-अनिलकुमार जैन, इन्दौर

का शुभ विवाह

सौ.कां.शिवि

सुपौत्री : श्रीमती दाखाबाई-श्री कोमलचंदजी जैन

सुपुत्री : श्रीमती सुनीता-श्री सनतकुमार जैन, सतना

के साथ दिनांक 25 दिसम्बर 2014 को इन्दौर में संपन्न हुआ।

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. अनुज

सुपौत्र : स्व. श्री कैलाशचंदजी जैन

सुपुत्र : श्रीमती मीना-सत्येन्द्रकुमार जैन, जबलपुर

का

शुभ विवाह

सौ. कां. जीनल

सुपौत्री : श्रीमती वासंती-श्री हसमुखभाई कामदार जैन

सुपुत्री : श्रीमती हीना-डॉ. दीपक कामदार जैन, नागपुर

के साथ दिनांक 18.01.15 को नागपुर में संपन्न हुआ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ....

श्री सुरेन्द्रकुमार-चंदादेवी जैन (श्री पारस टेक्सटाईल्स एजेंसी), नागपुर * श्री सत्येन्द्रकुमार-मीना जैन (पलक क्रियेशन), जबलपुर * श्री शैलेन्द्रकुमार-मीना जैन * श्री सुनीलकुमार-मधु जैन (श्री महावीर टेक्सटाइल्स एजेंसी), जबलपुर * श्री सुजीतकुमार-सीमा जैन (वर्धमान ईको सिटी), जबलपुर * श्री विक्रम-कृति जैन (बंसल क्लासेस), जबलपुर * श्री राहुल-खुशबू जैन

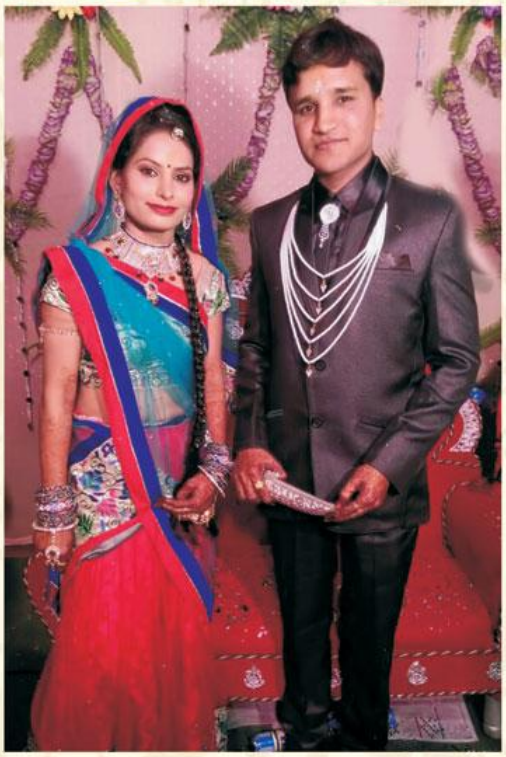

चि. सुशील

का शुभ विवाह

सौ.कां. अंजली

के साथ दिनांक 8 फरवरी 2015 को गंजबासौदा में साआनंद संपन्न हुआ।

वरपक्ष

मम्मी–पापा : श्रीमती जयंती–मुन्नाल जैन

भाभी–भैया : श्रीमती सरिता–राजेन्द्रकुमार जैन

श्रीमती सपना–सुनीलकुमार जैन

भतीजी–भतीजा : आस्था, अर्चित, मोक्ष

वधूपक्ष

दादी : श्रीमती कमलादेवी जैन

नानी : श्रीमती अंगूरीदेवी जैन

मम्मी–पापा : श्रीमती चंदा–विनोदकुमार जैन

चाची–चाचा : श्रीमती मनोरमा–प्रमोदकुमार जैन

बहन–भाई : कु. अंकिता जैन, दिव्यांश जैन, प्रथम जैन

प्रतिष्ठान

● चार्ली चाट पेलेस, 98275–58995 ● आस्था एग्रो फूड, 98272–46269 ● आस्था ब्रोकर्स, 94251–48896
आस्था कमोडिटी, 07594–223943 ● विनोदकुमार जैन (शिक्षक), 992165–69527

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.
16. प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

---

1. 01
2. सोनल रवीन्द्र जैन
3. पंचरतन/फणीश
4. 30.09.90
5. 09.44
6. जबलपुर
7. बी.ई., एम.टेक
8. 5'5''
9. गोरा
10. एम.टेक अध्ययनरत
11. –
12. हाँ
13. –
14. 4/24, टी.टी.सी. रिंग रोड, जबलपुर-482001
15. 9425801017, 0761-2608786
16. jainrkttcjabalpur@gmail.com

---

1. 02
2. विजेन्द्र राजकुमार जैन
3. पटवारी/बिलैआ
4. 25.08.84
5. –
6. हरपालपुर (छतरपुर)
7. सी.ए. (चार्टर्ड एकाउण्टेंट)
8. – / 65 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. सी.ए. आफिस, भोपाल
11. –
12. –
13. नहीं
14. राजा कालोनी, हरपालपुर जिला छतरपुर
15. 8871703908, 8009278144
16. -

---

1. 03
2. गौरव रवीन्द्र जैन
3. पंचरतन/फणीश
4. 29.08.87
5. 09.00
6. जबलपुर
7. बी.टेक, एम.टेक
8. 5'10''
9. गोरा
10. मैनेजर- एक्सिस बैंक
11. 16.50 लाख
12. हाँ
13. –
14. 4/24, टी.टी.सी. रिंग रोड, जबलपुर-482001
15. 9425801017, 0761-2608786
16. jainrkttcjabalpur@gmail.com

---

1. 04
2. राजेश डॉ. ऋषभ कुमार जैन
3. गोट/दिवाकिर्ती
4. 1.12.87
5. 1.25
6. –
7. साफ्टवेयर इंजीनियर
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस-एच.एस.बी.सी., पुणे
11. 9.60 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. जैन मेडिकल हॉल जरुवाखेड़ा (सागर)
15. 7489095106, 273320
16. -

---

1. 05
2. राजेन्द्र डॉ. ऋषभ जैन
3. गोट/दिवाकिर्ती
4. 12.03.84
5. 3.21
6. –
7. बी.फार्मा
8. 5'5''
9. गोरा
10. सर्विस-इन्दौर
11. 3.60 लाख
12. हाँ
13. –
14. जैन मेडिकल हॉल जरुवाखेड़ा (सागर)
15. 7489095106, 273320
16. -

---

1. 06
2. रचित सुरेशकुमार जैन
3. गुडारे/वैद्य
4. 6.11.87
5. 03.10
6. –
7. बी.एस.सी.
8. 5'8''
9. साफ
10. सीमेंट एजेंसी एवं हार्डवेयर
11. 4.20 लाख
12. –
13. –
14. असाटी मोहल्ला, हटवारा स्कूल के पास छतरपुर
15. 8085349673, 9669951817
16. -

---

1. 07
2. नयंत राजेन्द्रकुमार जैन
3. बिलैआ/पवैया
4. 20.05.85
5. 15.15
6. ललितपुर
7. बी.टेक इलेक्ट्रीकल
8. 5'7''/56 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. सर्विस-उत्तम गालवा स्टील
11. 5.40 लाख
12. हाँ
13. आंशिक मंगल
14. जैन मंदिर के पास, ग्राम पोस्ट जखौरा ललितपुर 284124
15. 09415994570
16. nayant143@yahoo.com

---

1. 08
2. सौरभ प्रकाशचंद जैन
3. प्रधान/फणीश
4. 18.10.91
5. 21.45
6. अहमदाबाद
7. प्लास्टिक इंजीनियरिंग
8. 5'11''/ 64 कि.ग्रा.
9. गेहुँआ
10. फेरोमेटिक मिलाक्रॉन इं. लि.
11. 2.40 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 6, मंगल ध्वनी सोसायटी रामराज्य नगर, ओढ़व, अहमदाबाद
15. 9099013660, 8000696880
16. watermanifold@yahoo.com

---

1. 09
2. अभिषेक ज्ञानचंद जैन
3. फणीश/पंचरतन
4. 24.10.86
5. 9.55
6. रानीपुर (झांसी)
7. एम.कॉम, डीआईटी
8. 5'5''/60 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. स्टेशनरी, स्पोर्ट्स मर्चेंट
11. 2.50 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. मु. लाडगंज, रानीपुरा जिला झांसी
15. 9451486568
16. abhijain15787@gmail.com

---

1. 10
2. कृति प्रदीप जैन
3. वैद्य/फणीश
4. 06.03.92
5. 13.30
6. भोपाल
7. इकोनामिक्स, पीजीडीएम
8. 5'1''/48 कि.ग्रा.
9. गेहुँआ
10. सर्विस-फ्रेस्पा प्रीमियम, पुणे
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. मंगल दोष रहित
14. 106, गोमती कालोनी, नेहरु नगर भोपाल
15. 9826011191
16. pradeepjain51@yahoo.com

---

1. 11
2. शिशिर शिखर जैन
3. जाखेरिया/पवैया
4. 13.10.84
5. 21.00
6. कुरवई
7. बी.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस)
8. 5'9''/-
9. –
10. व्यवसाय हार्डवेयर
11. –
12. –
13. –
14. फर्स्ट लाइन, मंडी बामोरा जिला सागर
15. 9993159399, 7828473020
16. -

---

1. 12
2. सुलभ चक्रेशकुमार जैन
3. फणीश/पंचरतन
4. 07.09.87
5. 21.52
6. –
7. बी.कॉम, एम.बी.ए.
8. 5'3''
9. गेहुँआ
10. सर्विस – चंडीगढ़
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. मोदी क्लाथ स्टोर, टीकमगढ़ रोड़ महरौनी, जिला ललितपुर
15. 05172-250626, 9455015437
16. -

---

1. 13
2. सौरभ सुशीलकुमार जैन
3. चड़ार/बिलैआ
4. 08.08.82
5. 23.35
6. डिण्डोरी
7. बी.ई.
8. 5'9''/65कि.ग्रा.
9. गोरा
10. डाटा मैनेजर
11. 50 हजार
12. नहीं
13. नहीं
14. अतिशय कम्प्यूटर डिण्डोरी
15. 09425164019
16. sourabh.atishay@gmail.com

---

1. 14
2. पार्श्व श्रेयांसकुमार जैन
3. वैद्य/पवैया
4. 10.04.87
5. 11.52
6. अहमदाबाद
7. बी.ई., ई.सी.
8. 5'3''/-
9. साफ
10. इरिक्सन इंडिया, बैंग्लोर
11. छः अंको में
12. हाँ
13. –
14. 851, अंबिका नगर ओढ़व, अहमदाबाद
15. 9979999065, 9376970116
16. -

---

1. 15
2. वैशाली विलास जैन
3. फणीश/वैद्य
4. 1.08.90
5. 07.20
6. इन्दौर
7. बी.कॉम फायनल
8. 5'3''
9. गोरा
10. सर्विस- एम.आर. केडिला
11. –
12. –
13. नहीं
14. 30/4, परदेशीपुरा इन्दौर
15. 9827309259, 9575975079
16. vilas31jain@gmail.com

---

1. 16
2. सनिल ब्रजेन्द्रकुमार जैन
3. वैद्य/
4. 21.07.86
5. 04.35
6. –
7. एम.बी.ए.
8. 5'4''
9. गोरा
10. सर्विस-एक्सिस बैंक, नोएडा
11. 3.05 लाख
12. –
13. आंशिक मंगल
14. 88, पंसारी टोला इटावा
15. 9045828345, 09582511008
16. -

---

1. 17
2. अतुल सुकमालचंद्र जैन
3. भंडारी/फणीश
4. 17.04.82
5. –
6. –
7. एम.ए. हिन्दी
8. 5'5''
9. साफ
10. टाटा मोटर्स – दिल्ली
11. –
12. –
13. –
14. 39, रामलीला मैदान के पास बबीना कैण्ट
15. 9453701582, 9795884660
16. -

---

1. 18
2. तन्वी ब्रजेन्द्रकुमार जैन
3. वैद्य/
4. 30.06.90
5. 8.10
6. –
7. बी.कॉम, सी.एस अध्ययनरत
8. 5'
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. 88, पंसारी टोला इटावा
15. 9045828345, 9045287940
16. -

---

1. 19
2. सुषमा धर्मेन्द्रकुमारजैन
3. किरोरी/फणीश
4. 12.01.89
5. 03.10
6. करैरा
7. एम.ए., बी.एड
8. 5' 4''
9. गोरा
10. सर्विस – टीचर
11. –
12. –
13. –
14. चांद दरवाजा के पास करैरा जिला शिवपुरी
15. 07493252583, 9406570850
16. –

---

1. 20
2. शिवानी सुनील कुमार जैन
3. सोनव्यारे/बिलैआ
4. 14.11.93
5. 07.20
6. पन्ना
7. बी.एस.सी. अध्ययनरत
8. 5'1''/50 कि.ग्रा.
9. साफ
10. –
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. चिन्मय भवन, नगर पालिका के सामने, विदिशा
15. 9755106595, 9827578003
16.

---

1. 21
2. सौरभ सुरेशचंद जैन
3. पटवारी/पंचरतन
4. 18.09.88
5. 04.05
6. इन्दौर
7. बी.कॉम फायनल
8. 5'6''/-
9. गेहुँआ
10. व्यवसाय
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. 40, आजाद नगर, मूसाखेड़ी मेन रोड़ इन्दौर
15. 9753271580, 9424012460
16. -

---

1. 22
2. नेहा स्व.श्री सुनील जैन
3. दीवाकिर्ती/–
4. 09.02.90
5. 22.20
6. टीकमगढ़
7. बीडीएस अध्ययनरत
8. 5'
9. गेहुँआ
10. –
11. –
12. –
13. हाँ
14. 399/9, तिलक नगर, इन्दौर
15. 0731-2590882, 9303226908
16. ajaykoria11@gmail.com

---

1. 23
2. सोनम रमेशचंद जैन
3. फणीश/रावत
4. 27.07.87
5. 09.34
6. झाँसी
7. बीएससी, एमबीए
8. 5'2''/-
9. गोरा
10. –
11. –
12. नहीं
13. –
14. हरी मोहन वर्मा कम्पाउण्ड बड़ा गांवमेट बाहर, झाँसी
15. 0570-2350660, 9415948552
16. -

शाकाहार और हम

जैन धर्म में अहिंसा का बहुत महत्व है। जैन धर्म के आचार्य अपने सभी अनुयायियों को अहिंसा के मार्ग पर चलने को प्रेरित करते है और जब बात अहिंसा की आती है तो शाकाहार उससे अपने आप जुड़ जाता है। शाकाहार और माँसाहार खान पान की दो अलग विधा है। आज पाश्चात्य की अंधी दौड़ में कौन शाकाहारी और कौन माँसाहारी है यह कहना मुश्किल हो गया है क्योंकि अब ये खानपान किसी जाति विशेष का नहीं रह गया है। पहले जैन होने का मतलब शाकाहारी होना था लेकिन अब इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि जैन हो तो शाकाहारी ही होगा।

इसी संदर्भ मे मैं एक घटना का उल्लेख करना चाहूँगा मेरे एक मित्र है जो जैन नहीं है। वो कैंसर जैसी घातक बीमारी से ग्रसित हो गये थे और प्रथम चरण में ही उनकी बीमारी पकड़ में आ गई थी तथा उनका इलाज टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट मुंबई में चल रहा था। वहां के डाक्टर्स ने उन्हें इस रोग से बचने के लिए मछली का सेवन करने की सलाह दी। चूंकि मेरे मित्र पूरी तरह से शाकाहारी थे तो उन्होंने माँसाहार सेवन करने से इन्कार कर दिया तथा कहा कि मैं मरते मर जाऊंगा पर उसका सेवन नहीं करुंगा और अपने निर्णय पर अडिग रहे। जब वह इलाज कराके अपने घर वापिस आये तो घर वालों ने भी उनके इस निर्णय का समर्थन किया और कहा कि बेटा तूने बिलकुल ठीक किया। आज मेरे मित्र बगैर माँसाहार के पूर्ण स्वस्थ हैं तथा कैंसर जैसी बीमारी से निजात पा गये है। मैं अपने मित्र के उसे ज़ज्बे को सलाम करता हूँ तथा माँसाहार प्रेमियों को नसीहत देता हूँ बगैर माँसाहार के जीवन जिया जा सकता है और शाकाहारी होने के लिए जैन होना अनिवार्य नहीं है। और जो जैन भाई शाकाहार से दूर जा रहे है उन्हें माँसाहार अपनाने से पहले मेरे उक्त मित्र को जरुर याद कर लेना चाहिए। आशा है जो जैन बंधु पथ भ्रष्ट हो गये उक्त घटना से प्रेरणा लेकर जरुर सबक लेंगे और पूर्ण शाकाहार को अपनायेंगे।

– रवीन्द्रकुमार जैन, झांसी

।। सादर श्रद्धांजली ।।

श्रीमती मंजू धर्मपत्नी श्री निर्मलकुमारजी जैन, भोपाल का देहावसान कनाड़ा में 13 नवम्बर 2014 को हो गया। वे वहां अपने सुपुत्र के यहां रहने वाली गयी थी। वे अत्यंत हंसमुख और मिलनसार थी।

श्री अजितकुमारजी सुपुत्र स्व. श्री कमलचंदजी जैन पानवाले, विदिशा का 8 दिसम्बर 2014 को निधन हो गया। आप धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय रहते थे।

श्री अंकित (लक्की) पिता श्री अशोक कुमार जैन का स्वर्गवास 14 दिसम्बर 2014 को ललितपुर में हो गया।

जैन समाज के प्रसिद्ध विधानाचार्य, प्रतिष्ठाचार्य व वाणी भूषण **पं. बच्चूलालजी जैन** का स्वर्गवास 92 वर्ष की उम्र में कानपुर में दि. 20 दिसम्बर 201 को हो गया। आपका जन्म नोंहरकलां (ललितपुर) में हुआ परन्तु आप पूर्वांचल के प्रतिष्ठित विद्वान बन गए। कानपुर को अपने अपनी कर्मभूमि बनाया। समता, समन्वय और संबंध लेकर चलने का अद्भुत गुण था।

श्रीमती सुधा धर्मपत्नी श्री रमेशचंदजी जैन का स्वर्गवास दि. 21 दिसम्बर 2014 को विदिशा में हो गया।

श्री विजयकुमार जैन (रामचन्द्र नगर) का स्वर्गवास दिनांक 5 जनवरी 2015 को इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे। बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्ति पश्चात वर्ष 2002 में न्यास गठन की प्रथम कार्यकारिणी में आपने सचिव का दायित्व संभाला था। उपाध्यक्ष पद के रुप में आपने अंतिम समय तक समाज गतिविधियों में अपना योगदान दिया। संपूर्ण भारत की गोलालारीय समाज की प्रथम साख संस्था में भी आप उपाध्यक्ष पद पर रहे है। सहयोगपूर्ण व्यवहार से आप समाज व मित्रजनों में काफी लोकप्रिय रहे। आपकी स्मृति में परिजनों द्वारा गोलालारीय समाज को 11000 रु. एवं गोलालरीय दर्शन परिवार को 2100 रु. की राशि दी।

श्री अनिल भंडारी, गंजबासौदा के सुपुत्र **श्री सिद्धार्थ जैन** का आकस्मिक निधन 7 जनवरी 2015 को हो गया।

श्री कैलाशचंदजी जैन (दैनिक विश्व परिवार) स्व. श्री राजेन्द्र जैन व डॉ. जिनेन्द्रकुमार जैन की माताजी **श्रीमती सोनादेवी** धर्मपत्नी स्व. श्री लक्ष्मीचन्द्रजी जैन का स्वर्गवास दि. 11 जनवरी 2015 को झांसी में हो गया। आप धर्म के प्रति विशेष रुचि रखती थी। मुनिसेवा एवं चौका लगाने का कोई भी अवसर आप नहीं चुकती थी।

श्री शिखरचंद जैन, गंजबासौदा के छोटे पुत्र **इंजी. मनोज जैन** का बीना–गुना रेलवे सेक्शन पर कार्य करते समय दुर्घटना में आकस्मिक निधन 11 जनवरी 2015 को हो गया। आप अत्यंत कर्मठ, मृदुभाषी एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे।

श्री राजमल जैन (सिरसीवालों) का स्वर्गवास 17 जनवरी को विदिशा में हो गया है। आप सरल स्वभावी, धार्मिक व्यक्तित्व थे।

श्रीमती राजकुमारी धर्मपत्नी श्री ज्ञानचंदजी जैन नीमवाले का 26 जनवरी 2015 को ललितपुर में देहावसान हो गया। आप अत्यंत धार्मिक, सरल एवं मिलनसार स्वभाव की थी। अंतिम समय में भी पूर्ण चैतन्यता के साथ भगवद् शक्ति में लीन रहते हुए उन्होंने अपने प्राण त्यागे। आपकी स्मृति में परिजनों द्वारा 2100 रु. की राशि गोलालारीय दर्शन परिवार को प्रदान की।

श्री धन्नालालजी जैन (मंगोड़ीवालो) का स्वर्गवास दिनांक 27 जनवरी 2015 को ललितपुर में हो गया। आप लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

श्री सुरेशचंदजी जैन (आजाद नगर) की बहू **श्रीमती श्वेता** धर्मपत्नी श्री सुशील जैन का स्वर्गवास अल्पायु में दिनांक 30 जनवरी 2015 को हो गया है।

श्रीमती मेंदाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री गणेशीलालजी जैन, गंजबासौदा का देहांत 3 फरवरी 2015 को हो गया। आप 95 वर्ष की थी।

श्रीमती सरोजदेवी धर्मपत्नी स्व.श्री मन्नूलाल जैन (ग्यारसपुरवाले)का स्वर्गवास दि. 7 फरवरी 2015 को हो गया।

श्री नरेन्द्रकुमार जैन (फूड ऑफिसर) का स्वर्गवास दि. 10 फरवरी 2015 को इन्दौर में हो गया। आपकी स्मृति में आपके परिजनों ने 11000 रु. की राशि गोलालारीय समाज न्यास व 2100 रु. राशि गोलालारीय दर्शन को प्रदान की।

इन्दौर समाज न्यासी श्री मुकेश कुमार जैन के पौत्र **मा. अक्ष** अंकुर जैन का स्वर्गवास दि. 18 फरवरी 2015 को इन्दौर में हो गया।

श्री उत्तमचंदजी जैन का स्वर्गवास दि. 19 फरवरी 2015 को पन्ना में हो गया। आप धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय रहते थे।

श्री बाबूलालजी जैन (पिपरावालों) का स्वर्गवास दि. 20 फरवरी 2015 को ललितपुर में हो गया है।

दिवंगत समाजजनों को गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

पत्रिका में शोक समाचारों का निशुल्क प्रकाशन किया जाता है।
हमारा आपसे निवेदन है कि अपने परिजनों की स्मृति में पत्रिका को आर्थिक सहयोग करे।

श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास इन्दौर के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न ।

कोमलचंद जैन, इन्दौर । समाज कार्यों को और अधिक सुदृढ़ रुप से संचालित करने की भावना के साथ इन्दौर समाज न्यास के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। प्रथम बैठक में पदाधिकारियों का चयन किया गया । न्यू देवास रोड़ स्थित समाज मंदिर की व्यवस्था समिति के लिए श्री कमलचंद जैन परदेशीपुरा एवं श्री हीरालाल फणीश को सर्वानुमति से नियुक्त किया गया। न्यास की प्रथम बैठक में ही आगामी वर्षों में होने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा पर विचार किया व गत कार्यकारिणी के कार्यों को पूर्ण मनोयोग से शीघ्र ही पूरा करने का वचन भी दिया। इन्दौर न्यास द्वारा शीघ्र ही मालवा-निमाड़ क्षेत्र में निवासरत समाजजनों की पारिवारिक निर्देशिका **'प्रयास'** का प्रकाशन किया जा रहा है, जनगणना कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। मालवा-निमाड़ क्षेत्र में निवासरत जिन गोलालारीय परिवारों ने अपनी पारिवारिक जानकारी नहीं भेजी है तो वे शीघ्र ही न्यास कार्यालय 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर भेजे ।

इन्दौर में अध्ययनरत या नौकरी करने वाले युवक-युवती भी अपना फार्म भरकर जमा कर सकते है। इन्दौर समाज की **'संचार सेवा'** में जो परिवार वाट्स एप सुविधा वाला मोबाइल उपयोग करते है वे अपना नंबर समाज की संचार सेवा से जोड़ने के लिए 094074-53066 पर फोन कर अपना नाम जुड़वा सकते है। जिससे उन्हें भी समाज की गतिविधियों और सूचनाओं आदि से अवगत किया जा सके । समाज की ओर से एसएमएस सुविधा टेलीफोन विभाग के नियमों के कारण बंद कर दी गई है।

कोमलचंदजी
अध्यक्ष

अशोककुमारजी
उपाध्यक्ष

बाहुबलीजी
सचिव

राजेन्द्रकुमारजी
कोषाध्यक्ष

सुरेशचंदजी
सहसचिव

अनिलकुमारजी
सहसचिव

कमलचंदजी
मंदिर समिति

हीरालालजी
मंदिर समिति

नवीनकुमारजी

अशोककुमारजी

चन्द्रकुमारजी

मुकेशकुमारजी

अरविन्दकुमारजी

राजेशकुमारजी

अशोककुमारजी

कार्यकारिणी सदस्यगण

शब्द जाल प्रतियोगिता - 8

नीचे दिये गये शब्दगोलों में एक एक अक्षर लिखकर ऐसे शब्द बनाये जिसके अंत में दान शब्द हो। उदाहरण स्वरुप एक हल दिया गया है।

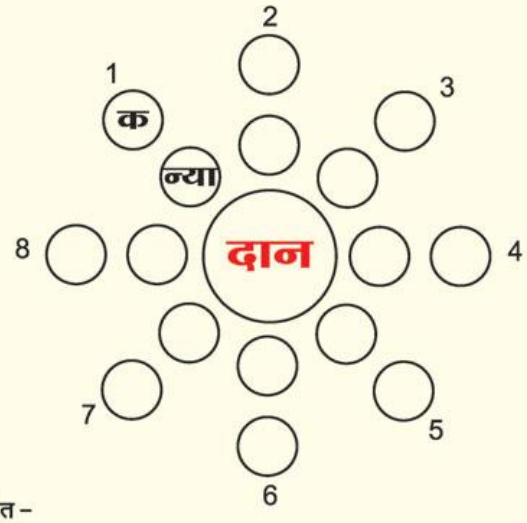

संकेत –

1) विवाह के समय वधु के माता पिता करते है –
2) देश के लिए सिपाही करते हैं प्राणों का –
3) भक्ति से प्रसन्न होकर देवता देते हैं –
4) आपके द्वारा किया गया दान जो किसी की प्राणरक्षा कर सकता है –
5) ज्ञानियों द्वारा दिया जाता है –
6) रक्त संबंधी कहलाते है –
7) प्रतिभाओं का सम्मान करने वाले होते है–
8) मृत्यु के पश्चात दृष्टिहीनों के काम आने वाला –

शब्द जाल प्रतियोगिता 6 के विजेता

दीक्षा जैन
झांसी

सृष्टि जैन
रामगंज मंडी

माही जैन
देवेन्द्रनगर

रिया जैन
भोपाल

अंशी जैन
सीहोर

शब्द जाल प्रतियोगिता 7 के विजेता

अनमोल जैन
तालबेहट

अभय जैन
मुंबई

अविरल जैन
नागपुर

श्रीमती महिमा
विदिशा

श्रीमती आंकाक्षा
तालबेहट

निम्नलिखित पते पर भेजें – **'गोलालारीय दर्शन' 16, महारानी रोड, इन्दौर या 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर** । प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को के नाम निकालकर आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे । * **नियम –** प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग महिला / पुरुष / बच्चों के लिए है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2015** सही जवाब के साथ प्रतियोगी परिवार प्रमुख का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो लगाकर पूर्ण पता मय पिनकोड के साथ अवश्य भेजें । संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा । अपूर्ण जानकारी होने पर प्रविष्टी को निरस्त किया जा सकता है ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च की हार्दिक बधाईयाँ ।

महिला सशक्तिकरण - वर्तमान संदर्भ में

मौलिक रुप से हमारा समाज एक पुरुष प्रधान समाज रहा है महिलाओं को हमेशा यहां दोयम दर्जे का स्थान प्रदान किया गया है। पहले महिलाओं के पास किसी भी प्रकार की स्वतंत्रता ना होने के कारण उनकी सामाजिक और पारिवारिक स्थिति एक पराश्रित से अधिक और कुछ नहीं थी, जिसे हर कदम पर एक पुरुष के सहारे की जरुरत पड़ती थी। वैसे तो आजादी के बाद से ही महिला उत्थान के उद्देश्य से विभिन्न प्रयास किये जाते रहे है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में महिला सशक्तिकरण की बयार में अत्याधिक तेजी देखी गई है। इन्हीं प्रयासों से परिणामस्वरुप महिलाओं के आत्मविश्वास में कई गुणा बढ़ोतरी हुई है और वे किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए खुद को तैयार करने लगी है। जहां सरकारें महिला उत्थान के उद्देश्य से नई नई योजनाएं बनाने लगी है, वहीं कई गैरसरकारी संगठन भी उनके अधिकारों के लिए अपनी आवाज बुलंद करने लगे हैं। नारी सशक्तिकरण के तहत महिलाओं के भीतर ऐसी प्रबल भावना को उजागर करने का प्रयास भी किया जा रहा है कि वह अपने भीतर छिपी ताकत को सही मायने में उजागर कर, बिना किसी सहारे के आने वाली हर चुनौती का सामना कर सकें ।

आज की महिलाएं सिर्फ घर गृहस्थी को संभालने तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है, व्यावसायिक क्षेत्र हो या पारिवारिक, महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे हर काम कर सकती है जो कभी पुरुषों के योग्य समझा जाता था। कुछ समय पहले तक जिन व्यावसायिक क्षेत्रों में केवल पुरुषों का ही वर्चस्व हुआ करता था, अब वहां महिलाओं को काम करते देखकर हमें आश्चर्य नहीं होता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर बन जाने के कारण वह अपने ऊपर विश्वास कर, अपने जीवन संबंधी निर्णय लेने लगी है।

लेकिन नारी सशक्तिकरण की पैरवी करते हुए हम इस बात को नकार नहीं सकते कि जब हम किसी एक को सशक्त करने की बात करते हैं तो स्वाभाविक तौर पर हम दूसरे व्यक्ति के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर रहे होते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए जरुरी है कि पुरुष वर्चस्व की महत्ता को कम कर दिया जाए, ऐसे हालातों में भारतीय पुरुष जो महिलाओं का दमन-शोषण करना अपना शौक समझते थे, वह इस बात को सहन नहीं कर पा रहे कि दबी-कुचली महिलाएं अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने लगें। यही कारण है कि महिला सशक्तिकरण को बहुत अधिक तरजीह दिए जाने के बावजूद पुरुष वर्ग में एक तबका ऐसा भी है जो महिलाओं की आजादी को अपने लिए घातक मानकर चल रहा है। अपने झूठे पुरुषत्व को कायम रखने और महिलाओं को उनसे निम्न होने का अहसास दिलवाने के लिए वह कभी उसके सम्मान के साथ खिलवाड़ करता है तो कभी उस पर हाथ उठाता है।

हम बड़े गर्व के साथ सरकार द्वारा बनाई जा रही योजनाओं को अपना लेते हैं, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि महिलाओं के लिए बनाई गई विभिन्न योजनाएँ उन्हें अधीनस्थ और शोषित होने का भी अहसास दिलवाती हैं, घरेलू हिंसा को रोकने और स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे कानून हमारे समाज की इस कड़वी हकीकत को बयान करते हैं कि समय परिवर्तन हो जाने के बाद भी पुरुष आज भी स्वयं को महिलाओं को सम्मान देना पंसद नहीं करते । उनकी मानसिकता आज भी पहले जैसी ही है, विवाह के बाद उसे अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने का अधिकार प्राप्त हो जाता है। बेटी को शादी के बाद दूसरे घर ही जाना है तोउसे पढ़ा लिखा कर खर्चा क्यों किया जाए लेकिन जब सरकार उन्हें लालच देती है, तो वह उसे पढ़ाने के लिए भी तैयार हो जाते हैं और हम यह समझने लगते है कि परिवारों की मानसिकता बदल रही हैं।

दुर्भाग्यवश नारी सशक्तिकरण केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सिमटकर रह गया है। एक ओर बड़े बड़े शहरों और महानगरों में रहने वाली महिलाएं शिक्षित, आर्थिक रुप से स्वतंत्र, विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचे पदों पर काम करने वाली और आधुनिक विचारधारा वाली महिलाएं हैं, जो पुरुषों के दमन को किसी भी रुप में सहन नहीं करना चाहती। अपने साथ हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध वह अपने दम पर लड़ना जानती हैं, इनकी संख्या भले ही कम हो लेकिन उन्होंने जो सम्मानजनक स्थिति प्राप्त की है, वह बेहद प्रशंसनीय हैं, वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में तो आज भी नारी के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न ही लगा हुआ है। गाँवों में रहने वाली महिलाएं ना तो अपने अधिकारों को जानती है और ना ही उनके महत्व को समझती है, जिस कारण वह पति के अत्याचारों और सामाजिक लांक्षनों को अपनी नियति मानकर सहन करने को विवश हो जाती है ।

हमारा पुरुष प्रधान समाज जिन संस्कारों, परम्पराओं और मर्यादाओं की दुहाई देकर महिलाओं को अपने द्वारा निर्मित दायरे में बांधकर रखना चाहता है, पुरुष द्वारा उन्हीं सीमाओं का अतिक्रमण और अवमानना कोई नई बात नहीं है, खास बात तो यह है कि उसे ऐसे कृत्य के लिए कोई ठोस सजा नहीं दी जाती, वही अगर कोई महिला इन बंधनों को तोड़कर बाहर निकलना चाहे तो उसे हमारे समाज के ठेकेदारों की कोप दृष्टि का पात्र बनना पड़ता है। हम भले ही खुद को आधुनिक कहने लगे हो, लेकिन वास्तविकता यही है कि आधुनिकता केवल हमारे पहनावे और व्यवहार में आई है लेकिन चरित्र और विचारों से अभी भी हमारा समाज और इसमें रहने वाले लोग पिछड़े हुए ही है। पुरुष वर्ग महिलाओं को आज भी एक वस्तु की भांति अपने अधीन बनाए रखना चाहता हैं, आज महिलाएं गृहणी से लेकर एक सफल व्यवसायी की भूमिका को सहज ढंग से निभा रही हैं। वह स्वयं को पुरुषों से बेहतर साबित करने का एक भी मौका गंवाना नहीं चाहती, अगर वह खुद में छिपी ताकत को पहचान अपना पृथक और स्वतंत्र अस्तित्व निर्माण करने का प्रयास करती है तो वह पुरुषों से ज्यादा बेहतर निर्णय लेने की भी काबिलियत रखती हैं। आधुनिक युग की महिलाएं पुरुष के समकक्ष ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों मे तो पुरुष के वर्चस्व को भी चुनौती दे रही हैं। अपने मेहनत और काबिलियत के बल पर उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है । **जिंदगी में काम करो ऐसा, कि पहचान बन जाये, हर कदम ऐसा चलो, कि निशान बन जाये, यहां जिंदगी को सभी काट लेते है पर, जिंदगी जियो ऐसी कि मिसाल बन जाये ।**

– डॉ. कीर्ति जैन, खरगोन

इनर व्हील क्लब, रतलाम द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कृत लेख के संपादित अंश ।

वृद्धाश्रम समाज के लिए शर्म की बात

मुंबई, संजय जैन । आज कई घरों में बुजुर्गों की स्थिति ऐसी हो गई है कि 'जो कमावे वह खावे और दूसरा मांगे तो मार खावे'। ऐसी स्थिति हो जाने के कारण ही देश में वृद्धाश्रम या विधवाश्रम की बाते चलने लगी हैं। ऐसे आश्रम स्थापित हों, यह कोई गौरव की बात नहीं है; अपितु उन बुजुर्गों और विधवाओं के परिवारों के लिए तथा समाज और संस्कृति के लिए शर्म की बात है। आपसे मेरा पहला प्रश्न यह है कि आपका राग आपके माता पिता पर अधिक है या पत्नी-बच्चों पर अधिक है ? भगवान पर राग होने का दावा करने वालों से मेरा यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। योग की भूमिका में माता पिता की पूजा लिखी है, पत्नी बच्चों की नहीं । मुझे तो ऐसा महसूस होता है कि आज के लोगों को सबसे कम कीमत की कोई चीज लगती हो तो वह उसके मां बाप हैं ।

मर्यादा का दिवाला निकल रहा है। मर्यादा रहेगी वहां तक धर्म रहेगा । महापुरुष भी किसी की निश्रा में रहते थे, उनकी आज्ञानुसार चलते थे । आज चारों ओर मर्यादा का दिवाला निकलता जा रहा है। कोई किसी की सुनने या मानने को तैयार नहीं। पुत्र माता पिता की बात नहीं मानते और विद्यार्थी शिक्षक का उपहास करते हैं। आज युवकों की क्या दशा है, यह तो आप लोगों को मालूम ही है, युवक अपने बाप के भी बाप बन गए हैं, और प्रोफेसर के भी प्रोफेसर बन गए हैं। दुनिया में पढ़े लिखे गिने जाने वाले अपनी होशियारी का उपयोग भी दुनिया को परेशान करने में और स्वयं का स्वार्थ साधने में कर रहे हैं ।

आत्मा का ज्ञान हुए बिना, जितना अधिक पढ़ा जाए उतना अधिक गंवारपन आता है। आत्म-ज्ञान से, धर्म से जीवन में मर्यादा आती है और मर्यादा होने से घरों का संचालन भी ठीक तरह से होता है। मर्यादा से रहित घरों में हमेशा झगड़े हुए करते हैं । संस्कार विहीन आधुनिक शिक्षा प्रणाली के वशीभूत कई बच्चें अपने अभिभावकों को भूल ही जाते है, उन्हें सिर्फ अपना परिवार (पत्नी व बच्चें) ही प्रिय लगता है। माता पिता की जिम्मेदारी उठाना उनको बोझ लगता है इसका दुष्परिणाम सामने आते जा रहे है, बड़े शहरों में वृद्धाश्रम की दिनो दिन बढ़ोतरी हो रही है । बच्चें प्रतिमाह वृद्धाश्रम की किश्त भरकर अपने महत्वपूर्ण कर्त्तव्य से छुटकारा पाना चाहते है। भारतीय संस्कृति में ऐसी स्थिति को कभी भी स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए । स्थानीय सरकारें भी माता पिता की सेवा से पीछा छुड़ाने वाले बच्चों को दंडित कर रही है। हमें उन परिवारों का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए जो अपने माता पिता को वृद्धाश्रम में रहने को मजबूर करते है तभी इस कुरीति को भारतीय समाज में बढ़ने से रोका जा सकेगा अन्यथा आधुनिकता की इस दौड़ में सबसे बुरे परिणाम हमें वृद्धाश्रम के रुप में देखने को मिलेंगे ।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित